RNI No.-UPHIN2016/70155

# के.डी.न्यूज

साप्ताहिक
हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष–04 अंक–36 सुलतानपुर, 28 जनवरी 2020 पृष्ठ : 08 मूल्य : 3.00 रुपये

## गंगा हमारी आस्था ही नहीं, अर्थव्यवस्था भी है : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गंगा हमारी आस्था ही नहीं बल्कि अर्थव्यवस्था

भी है, और इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से प्रदेश सरकार गंगा यात्रा शुरू कर रही है। मुख्यमंत्री योगी ने आज लखनऊ में 5–कालीदास मार्ग स्थित अपने आवास पर 27 से 31 जनवरी तक निकलने वाली गंगा यात्रा के रथ को हरी झंडी दिखाई और थीम सॉन्ग लॉन्च किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि गंगा और उसकी सहायक नदियों के कारण उत्तर भारत देश की सबसे उर्वरा भूमि के रूप में विकसित हुआ है। गंगा बेसिन से देश के 40 फीसदी भू–भाग को पर्याप्त जल उपलब्ध होता है। उन्होंने कहा, सरकार ने यह तय किया है कि गंगा यात्रा जिन जिलों से निकलेगी, वहां के 21 नगर निकायों एवं 1,038 ग्राम पंचायतों में आने वाले समय में जैविक खेती होगी। गंगा के तटवर्ती क्षेत्रों में गंगा पार्क, गंगा तालाब और गंगा मैदान का निर्माण किया जाएगा। इसी कारण गंगा में हमारी आस्था के साथ ही अर्थव्यवस्था को भी देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा, मां गंगा देश के पांच राज्यों में 2,525 कि. मी. की यात्रा तय करती है। इसमें गंगा सबसे ज्यादा 1,025 कि.मी. की दूरी उत्तर प्रदेश में तय करती है। इसलिए स्वाभाविक रूप से इसकी स्वच्छता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी हम सबकी है, जिसे देखते हुए प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश के अंदर मां गंगा की अविरलता एवं निर्मलता के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, कानपुर के सीसामऊ नाले में प्रतिदिन 14 करोड़ लीटर सीवर का पानी गिरता था। 128 वर्षों से यह सिलसिला चला आ रहा था। नमामि गंगे परियोजना के तहत आज एक बूंद भी सीवर का पानी गंगा जी में नहीं बह रहा है।

## विवादित ट्वीट: कपिल मिश्रा को चुनाव आयोग ने 48 घंटे तक प्रचार से प्रतिबंधित किया

नयी दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रत्याशी कपिल मिश्रा को विवादित ट्वीट करने के कारण शनिवार को 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार करने से प्रतिबंधित कर दिया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार मॉडल टाउन से भाजपा प्रत्याशी मिश्रा पर प्रतिबंध की समयसीमा शनिवार को शाम पांच बजे से शुरू होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त और दो अन्य चुनाव आयुक्तों के हस्ताक्षर वाला प्रतिबंध आदेश संबद्ध जिला निर्वाचन अधिकारी के माध्यम से मिश्रा को भेज दिया गया है। इस बीच, ट्विटर इंडिया ने निर्वाचन आयोग के निर्देश पर मिश्रा के विवादित ट्वीट पर संज्ञान लेते हुए शुक्रवार रात को इसे हटा दिया। साथ ही जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 125 के तहत मिश्रा के खिलाफ मामला भी दर्ज किया गया है। उनके खिलाफ विभिन्न समुदायों के बीच कटुता पैदा करने का मामला दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में आठ फरवरी को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा।

## भाजपा के वरिष्ठ नेता व गोमती हॉस्पिटल संचालक डा. आर.ए. वर्मा बने जिलाध्यक्ष

सुलतानपुर। जिले के वरिष्ठ चिकित्सक समाजसेवी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डा. आर. ए. वर्मा को पार्टी का जिला अध्यक्ष बनाये जाने पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके आवास गोमती हास्पिटल परिसर, गोमतीनगर पहुँच कर बधाईयां दी। इस मौके पर कार्यकर्ताओं ने उनका माल्यार्पण व पुष्पगुच्छ देकर तथा मिष्ठान्न खिलाकर कर जोरदार स्वागत किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने जिला अध्यक्ष की सूंची जारी की थी। जिसमें सुलतानपुर भाजपा की कमान जिले के सुप्रसिद्ध चिकित्सक एवं पार्टी के वरिष्ठ नेता डा. आर. ए. वर्मा को दी गयी है। डा. आर. ए. वर्मा इसके पूर्व पार्टी के जिला उपाध्यक्ष, प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एवं भाजपा काशी क्षेत्र के सदस्य के रूप में अपनी सक्रिय भूमिका संगठन में निभा चुके है। इस मौके पर वरिष्ठ चिकित्सक समाजसेवी डा. आर. ए. वर्मा ने सुलतानपुर जिले का जिला अध्यक्ष बनाये जाने पर राष्ट्रीय, प्रदेश एवं क्षेत्रीय नेतृत्व को सहृदय आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा पार्टी नेतृत्व ने मुझे जो अहम जिम्मेदारी सौंपी है उस पर ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा से काम करते हुए संगठन को मजबूत करने में कोई कोर–कसर नही छोडूगा। इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता रामभवन मिश्रा, डा. अनुराग पांडे, युवा मोर्चा अध्यक्ष रामेन्द्र प्रताप सिंह, भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ,पूर्व जिला महामंत्री संजय सिंह सोमवंशी, रजनीश मिश्रा, संतोष दूबे, अरूण द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य सुनील वर्मा, दीपांकर शर्मा, इन्द्रजीत वर्मा, प्रिंस सिंह, पूर्व नगर अध्यक्ष विनोद कुमार पांडेय, दिनेश चौरसिया आदि ने बधाई दी और प्रदेश व क्षेत्रीय नेतृत्व का आभार प्रकट किया। आज पयागीपुर स्थित बीजेपी कार्यालय पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित स्वागत एवं अभिनन्दन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ने पार्टीजनों को संबोधित किया।

## गोसाईगंज पुलिस पर लगा गंभीर आरोप

### पासपोर्ट वेरीफिकेशन के नाम पर धन उगाही करने का लगा आरोप

सुल्तानपुर। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसेशन के कार्यकर्ताओ ने मोर्चा खोल दिया है। निष्क्रिय पुलिसिंग से छुब्ध संगठन के पदाधिकारियों ने नवागत पुलिस अधीक्षक को दिए गए सात बिंदुओं पर कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। पहला प्रकरण थाना गोसाईगंज क्षेत्र के सिरोली गांव निवासी एक किशोरी के अपहरण कांड से जुड़ा है। लम्बा वक्त बीतने के बावजूद अभी तक अभियुक्त गणों की गिरफ्तारी नहीं होने पर शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की गई। प्रकरण में प्राथमिकी में धारा 363 366 लगा हुआ है। पास्को एक्ट अभी तक पुलिस ने नहीं लगाया है। इस मामले में किशोरी का अपहरण करने में वांछित अभियुक्तों को संरक्षण देने वाले पर भी मुकदमा नहीं दर्ज किया है। संगठन मांग की है अपहरण कांड में वारदात के मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया जाए। पुलिस पर रिपोर्ट लगाने में वसूली के आरोप। सत्यापन के नाम पर करीब 3000 की अवैध वसूली की जा रही है। रिपोर्ट में पारदर्शिता बरतने और पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई। इतना ही नहीं थाना क्षेत्र गोसाईगंज के फतेहपुर सैफुल्लागंज सिरवारा हयात नगर मध्ुबन में अवैध शराब बेचने का धंधा जोरों पर है। जिस पर तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग की गयी है। थाना क्षेत्र में अवैध नशीले पदार्थों का कारोबार खुलेआम हो रहा है। हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मांग की है कि तत्काल नशे के काले धंधे पर रोक लगाई जाए। संगठन ने कहा है कि रात में लूट घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही। ज्ञापन में कहा है कि यदि उपरोक्त बिंदुओं पर कार्रवाई नहीं होती है तो आगामी 29 रुजनवरी को संगठन बड़ा आंदोलन छोड़ेगा। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। संगठन के 'राष्ट्रीय संयोजक एड कुलदीप यादव जनवादी' के पर्यवेक्षत्व व जिला अध्यक्ष आलोक रंजन के नेतृत्व में 25 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल जनपद में ब्याप्त पुलिसिया कार्यशैली व घोर अनियमितता के विरोध में पुलिस अध्ीक्षक को सौंपा सात सूत्रीय माँग पत्र थाना गोसाईगंज व मोतिगरपुर, जयसिंहपुर में हो रही है। बेरोजगार नौजवानों व छात्रों से चरित्र प्रमाणपत्र सत्यापन व पासपोर्ट आवेदन सत्यापन में वसूली प्रतिनिधि मण्डल में संगठन के संरक्षक रामजी वर्मा, जिला सचिव सुरेन्द्र वर्मा मीडिया प्रभारी विवेक प्रियदर्शी जिला महासचिव अमित जिला उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह एवं जिला कमेटी सदस्य महेन्द्र पाल, किशन सोनी,दुर्गेश रवि प्रजापति, अनिल पाल दुर्गा प्रसाद मुलायम सिंह यादव राजमणि अशोक कृष्णान्नद आदि रहे।

### गांव के तालाब में लाश मिलने से सनसनी

बल्दीराय, सुलतानपुर।थाना बल्दीराय अंतर्गत ग्राम भखरी गांव में आज सुबह प्राथमिक विद्यालय के निकट तालाब में एक युवक का शव देखा गया।गांव वालों ने इसकी सूचना बल्दीराय थाने को दिया। बल्दीराय पुलिस मौके पर पहुंचकर लाश को तालाब से बाहर निकलवाया और उसकी पहचान करवाई। युवक के बारे में बताया गया कि वह ग्राम पंचायत भखरी के विरेन्दर प्रताप पुत्र गयादीन पूरे दुर्गा पाठक का निवासी है। जो कल शाम से ही घर से गायब था। परिजनों ने थाना बल्दीराय में कल शाम को उसके गायब होने की सूचना दी थी।

**आवश्यकता है**

के.डी.न्यूज समाचार पत्र/पोर्टल हेतु ब्लाक संवाददाता, व तहसील संवाददाता की आवश्यकता है।

–सम्पादक
**के.डी.न्यूज**
**मो. 9415739288, 9721748962**

# सम्पादकीय

## मध्यम वर्ग की निगाहें बजट पर

देश के मध्यम वर्ग के लोगों की निगाहें एक फरवरी, 2020 को प्रस्तुत किये जानेवाले वर्ष 2020–21 के बजट पर लगी हुई हैं। इस समय मध्यम वर्ग बढ़ती हुई आर्थिक और सामाजिक मुश्किलों का सामना कर रहा है तथा देश की अर्थव्यवस्था भी सुस्त के दौर में है। ऐसे में नये बजट के माध्यम से मध्य वर्ग को राहत देने और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाकर उद्योग–कारोबार को रफ्तार देने के लिए नये बजट के तहत विभिन्न प्रोत्साहनों की जरूरत है। देश और दुनिया के अर्थविशेषज्ञों और उद्योग–कारोबार विशेषज्ञों का मत है कि वेतनभोगी और मध्यम वर्ग को कर राहत मिलने से मांग में वृद्धि होगी तथा उससे आर्थिक गतिविधियां भी तेज होंगी।छलांगे लगाकर बढ़ते हुए

भारत के उपभोक्ता बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में जिस मध्यम वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका है, उसकी क्रय शक्ति में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था की सुस्ती दूर की जा सकती है। मध्यम वर्ग के कारोबार के लिए सरल नियम, ऋण में सरलता और इनकम टैक्स दर में कमी के लिए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण राहतों व प्रोत्साहन की मुट्ठी खोल सकती हैं। मध्यम वर्ग को शेयर बाजार की ओर आकर्षित करने के लिए शेयर बाजार संबंधित प्रोत्साहनों से लाभान्वित किया जा सकता है। मध्यम वर्ग के साथ पूरा देश वर्ष 2020–21 के नये बजट में नये डायरेक्ट टैक्स कोड और नये इनकम टैक्स कानून को आकार दिये जाने की प्रतीक्षा कर रहा है। गौरतलब है कि नयी प्रत्यक्ष कर संहिता (डायरेक्ट टैक्स कोड– डीटीसी) संबंधी रिपोर्ट का मसौदा तैयार करने के लिए गठित टास्क फोर्स के अध्यक्ष अखिलेश रंजन द्वारा रिपोर्ट सीतारमण को सौंपी जा चुकी है। इस रिपोर्ट में प्रत्यक्ष कर कानूनों में व्यापक बदलाव और वर्तमान आयकर कानून को हटाकर नये सरल व प्रभावी आयकर कानून लागू करने की बात कही गयी है। इसमें छोटे करदाताओं की सहूलियत के लिए कई प्रावधान सुझाये गये हैं। कमाई पर दोहरे कर का बोझ खत्म करने की सिफारिश भी की गयी है। यह जरूरी है कि नये बजट 2020–21 के तहत पांच लाख रुपये तक की आय पर जो मौजूदा आयकर छूट है, वह आगे भी जारी रखी जाये। अभी पांच लाख रुपये तक की सालाना आय पर जो 12,500 रुपये की छूट है, उसमें कुछ और राहत दी जानी चाहिए। पांच से 10 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर जो मौजूदा 20 फीसदी की दर से आयकर है, उसे घटाकर 10 फीसदी किया जाना चाहिए। दस से 20 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर जो मौजूदा 30 फीसदी आयकर की दर है, उसे 20 फीसदी किया जाना चाहिए। इससे वेतनभोगी और मध्यम वर्ग के लोग बड़ी संख्या में लाभान्वित होंगे। महिलाओं को आयकर में विशेष छूट दी जानी चाहिए। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी विशेष रियायत दी जानी चाहिए।मध्यम वर्ग के लाभों को बढ़ाने के मद्देनजर नये आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने पर भी ध्यान दिया जाये। अच्छी कमाई होने के बाद भी लोग आयकर देने से बचते हैं। नोटबंदी के कारण कालाधन जमा करनेवालों में घबराहट बढ़ी। आयकरदाताओं की संख्या बढ़ी और वर्ष 2017–18 में आयकरदाताओं की संख्या 7।4 करोड़ हो गयी।यह बात भी महत्वपूर्ण है कि इन दिनों एक ओर कर संबंधी कठोर होते प्रावधानों से बड़ी संख्या में चिंतित करदाता कोई प्रत्यक्ष कर समाधान योजना चाहते हैं, वहीं दूसरी ओर राजस्व की तंगी से जूझ रही केंद्र सरकार भी अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए बजट में करदाताओं के लिए प्रत्यक्ष कर समाधान योजना ला सकती है। इस योजना के तहत करदाता अपनी पिछले 5–6 वर्षों की अतिरिक्त आय का खुलासा कर सकते हैं। ऐसे खुलासे पर उन्हें कोई जुर्माना नहीं भरना होगा और न ही उन्हें कोई सजा होगी। इससे करदाता पिछले मामलों के खुलने या सजा की आशंका के बिना अपनी घोषित आय को संशोधित कर सकते हैं। यदि ऐसी प्रत्यक्ष कर समाधान योजना में ब्याज और जुर्माना माफ कर दिया जाता है और विवादित राशि के 50 फीसदी हिस्से के भुगतान का विकल्प दिया जाता है, तो करदाता इसे हाथों हाथ ले सकते हैं। ज्ञातव्य है कि प्रत्यक्ष कर समाधान योजना का सुझाव नयी प्रत्यक्ष कर संहिता (डायरेक्ट टैक्स कोड) की ओर से पेश की गयी रिपोर्ट में भी दिया गया है। सरकार को उम्मीद है कि इस योजना के क्रियान्वयन के पहले ही करीब 50,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिल जायेगा। साथ ही इस योजना के आने से अदालती मामलों में कमी आयेगी। चूंकि इस समय देश की अर्थव्यवस्था सुस्ती के दौर में है, ऐसे में वर्ष 2020–21 के नये बजट में वित्तमंत्री द्वारा एक ओर प्रत्यक्ष कर समाधान योजना तथा दूसरी और आयकरदाताओं को राहत देने के लिए रंजन समिति द्वारा प्रस्तुत सिफारिशों के आधार पर सरल और प्रभावी नयी प्रत्यक्ष कर संहिता और नये आयकर कानून को शीघ्र आकार दिया जाना उपयुक्त होगा। हम आशा करें कि नये बजट में आयकर संबंधी राहत दिये जाने से जहां एक ओर वेतनभोगी वर्ग और मध्यम वर्ग के आयकरदाताओं के चेहरे पर मुस्कराहट आयेगी, वहीं दूसरी ओर आयकर राहत से मध्यम वर्ग के लोगों के पास जो धन बचेगा। इससे उपभोग को बढ़ावा मिलेगा तथा आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से देश की अर्थव्यवस्था गतिशील भी हो सकेगी।

# गांधी से निकलकर गांधी में समाहित होती नई नागरिक चेतना

**अंकित ''राधे''**

नागरिकता संशोधन विधेयक और तत्संबंधी कानूनों को लेकर देश भर में जो विवाद और आंदोलन चल रहे हैं, उससे एक नया सवाल यह आ खड़ा हुआ है कि क्या भारत में किसी नई राजनैतिक विचारधारा का जन्म हो रहा है या वे विद्यमान वर्गीकृत चेतना का ही परिष्कार व विस्तार कर रहे हैं। अगर ऐसा है तो इस नई दिख रही चेतना का उद्गम क्या है और वह किन रास्तों पर चलकर किस वैचारिक सागर से जाकर मिलेगी, यह भी राजनीतिशास्त्र के अध्येताओं से लेकर सामान्य नागरिक को जान लेना बेहद जरूरी है। अगर देशों को राजनीति विज्ञान की प्रयोगशाला माना जाता है तो एक सतर्क नागरिक के रूप में इस बदलती हुई राजनैतिक–सामाजिक फिजां को पहचानना भी जरूरी हो जाता है। इस आंदोलन की पार्श्वभूमि पर नजर डालें तो इसकी शुरुआत देश के कुछ शैक्षणिक परिसरों में हुई है जिसके पीछे दो–तीन अलग–अलग घटनाएं थीं, जिनके ऊपरी तौर पर तो कोई अंतर्संबंध नजर नहीं आ रहे थे, लेकिन वे गहराई में धंसे एक ही जड़ों से निकले हुए कांटेदार पौधे ही हैं। शासन के विभिन्न कृत्यों द्वारा सामाजिक और वैचारिक ध्रुवीकरण को जन्म दिया। इसके प्रयास तो पहले से जारी थे परंतु इस शासनकाल में उसमें चिंतनीय बढ़ोतरी हुई। दूसरे दौर में और बड़े वे कदम उठाये गये जिससे सामाजिक विभाजन की प्रक्रिया को तेज किया गया और साम्प्रदायिक गोलबंदी को व्यापक व सघन बनाया गया। इस दौरान देश के अनेक शैक्षणिक संस्थानों में बढ़ती हुई फीस वृद्धि और उनके अघोषित निजीकरण की प्रक्रिया के खिलाफ छात्र सरकार के खिलाफ उतर आए। परिसरों के बाहर राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर और नागरिकता संशोधन कानून ने एकाएक लोगों को जागृत कर दिया। उन्हें यह पता चल गया कि यह सरकार समाज में दो तरह के नागरिकों का निर्माण कर रही है जिसका उद्देश्य सामाजिक विभाजन और प्रभावशाली वर्ग की श्रेष्ठता को बनाए रखना है। इसके कई उदाहरण हम भारत से लेकर दुनिया भर में देखते आए हैं। परिसरों के भीतर और बाहर के सामान्यजनों ने यह महसूस कर लिया कि पूंजीवाद ही सभी का सामान्य शत्रु (कॉमन एनेमी) है जो अपने निहित स्वार्थों के लिए धर्म और राष्ट्रवाद की मदद ले रहा है। इसके साथ ही देश का मध्य वर्ग भी इसलिए सड़कों पर आ गया है क्योंकि उसकी उपस्थिति और विस्तार इन दोनों ही सामाजिक धड़ों में है। नये नागरिकता कानून से जिन्हें सर्वाधिक खतरा है वे हैं अल्पसंख्यक। आश्चर्य नहीं कि वे भी अपने अस्तित्व के लिए अंतिम लड़ाई करने इन शक्तियों से आकर मिले हैं।

शाहीन बाग बनते हुए देश में न सिर्फ वर्गों का प्रतिरोधात्मक समन्वय सामने आया है बल्कि अलग–अलग भावभूमि पर खड़ी राजनैतिक विचारधाराओं का समन्वय होता हुआ भी नजर आ रहा है, जो एक अच्छा संकेत है। अच्छा इसलिए क्योंकि सभी विचारधाराएं स्वयं को परिमार्जित कर रही हैं और देश नई सामाजिक–आर्थिक व्यवस्था की ओर अग्रसर हो रहा है। दुनिया की कोई भी विचारधारा लंबे समय तक और अलग–अलग परिवेशों में एक जैसी बनी नहीं रहती। भारत में ही देखें तो 100 वर्षों में राष्ट्रवाद की परिभाषा, अवधारणा तथा स्वरूप में बड़ा परिवर्तन आ गया है। वह उदारता से संकीर्णता का रूप ले चुकी है। जिस यूरोपीय समाजवाद से जवाहरलाल नेहरू बेहद प्रभावित थे और आजादी के बाद उसे भारत में लागू करना चाहते थे, प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्हें उसे भारतीय परिवेश में ढालकर पेश करना पड़ा। आजादी के पहले ही गांधी की जो स्वदेशी की अवधारणा भारत में पैर जमाने लगी थी, स्वतंत्रता प्राप्ति के कुछ वर्षों बाद ही भारी बदलाव के दौर में पहुंच गई।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखिए तो कार्ल मार्क्स के श्दास केपिटलश के सिद्धांतों से प्रेरित होकर निकले साम्यवादी विचार चीन और रूस में भिन्न स्वरूपों में यथार्थ की जमीन पर उतरे और लातिनी अमेरिकी देशों में तो उस साम्यवाद का चेहरा एकदम अलग बन गया। अपने ही देश में पश्चिम बंगाल और केरल की साम्यवादी राजनैतिक–आर्थिक प्रणालियां पृथक रास्तों पर चल पड़ीं। साम्यवाद के अलग–अलग चरित्र और चेहरों ने कम्युनिस्ट दलों के रूप में भाकपा व माकपा के नाम से दो संगठन खड़े कर दिये। कहने का तात्पर्य यह है कि किसी भी जैविक विकास के रास्ते चलते हुए समाज की कोई भी राजनैतिक–सामाजिक–आर्थिक–सांस्कृतिक शक्तियां भी गतिशील और परिवर्तनीय होती हैं। अगर ऐसा न हो तो समझिए कि वह समाज जड़ हो चुका है तथा आत्मपरिष्कार व आत्मसंधान की क्षमता गंवा बैठा है। किसी भी सिद्धांत को ज्यों का त्यों स्वीकार कर उसका क्रियान्वयन केवल गतिहीन और बुद्धिविहीन लोगों व संगठनों के लिए संभव है। समाज की ओर वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने वाले स्वतरू को तथा सामाजिक सैद्धांतिकियों को लगातार बदलते रहते हैं। इसमें सफलताओं की गुंजाइशें अधिक और नाकामी की आशंका कम रहती हैं क्योंकि सामाजिक परिवर्तनों का आधार पारिस्थितिक आवश्यकताएं ही होती हैं। इन्हीं संदर्भों में चल रहे इन आंदोलनों और वर्तमान घटनाक्रमों को देखा जाए तो कहा जा सकता है कि शाहीन बाग बन चुके देश में मानवता के तीन बड़े शत्रुओं– पूंजीवाद, धर्मांधता तथा उग्र राष्ट्रवाद की शिनाख्त कर ली गई है और उनके खिलाफ संघर्ष जारी है। इस संयुक्त लड़ाई को ध्यान और धैर्य से देखने पर महसूस किया जा सकता है कि यह एक तरह से गांधीवादी और मार्क्सवादी विचारधारा का समन्वय हो रहा है। इसके लड़ने का तरीका बाहरी तौर पर साम्यवादी आंदोलन की तरह का है तो उसकी आत्मा गांधीवादी नजर आती है। लड़ाई में मार्क्सिस्ट अनुभूति और गांधीवादी संवेदना का पुट है। कह सकते हैं कि बुद्धि में साम्यवादी वैज्ञानिकता है तो दिल में गांधी की करुणा। जिस तरह से यह जान लेने के बाद भी कि पूरी सरकार और पूंजीवादी शक्तियां अपने सभी सांस्थानिक उपकरणों और संस्थागत शक्तियों के साथ कुचलने पर तुली है, जगह–जगह जो आंदोलन हो रहे हैं उनमें कॉमरेडों की निडरता व गांधीवादियों की विनम्रता दोनों के सबूत मिल रहे हैं। छात्र और युवा जहां लंबे समय बाद भी परिसरों में सरकार से लोहा ले रहे हैं वहीं महिलाएं कड़कड़ाती ठंड में अपने आप को दमन और सरकारी प्रताड़ना के लिए प्रस्तुत कर रही हैं। इन आंदोलनों का सबसे खूबसूरत व मुस्कुराता हुआ गांधीवादी वह चेहरा है जिनमें युवा उन्हें पीटने वाले पुलिस वालों को फूल दे रहे हैं या लखनऊ की सदफ जफर उस पुलिस वाली महिला के आगे जाकर कहती हैं कि ''मैं पहले ही चश्मा उतार देती हूं तब आप मुझे थप्पड़ मार लेना क्योंकि मैंने आज ही इसे बनवाया है जो थाने में आपकी मारपीट के कारण टूट गया था।'' सदफ के होंठों पर मुस्कान है और महिला कांस्टेबल के चेहरे पर पश्चाताप की लकीरें। यह लगभग वैसा ही है जैसे गांधी द्वारा उस अंग्रेज अधिकारी के लिए अपने हाथों से चप्पलें बनाकर भेंट करना जिसने उन्हें जेल की सजा सुनाई थी। दमन करने वाले के प्रति यही उदारता गांधीवाद का पलड़ा भारी कर देती है। यह रास्ता गांधी चौक पर खुलता है। जो विभिन्न विचारधाराएं इन आंदोलनों के पीछे सक्रिय हैं, उन सभी में हमें अल्पसंख्यकों के लिए उदारता के भाव नजर आते हैं वहीं 1942 की तरह साम्प्रदायिक एकीकरण बड़ा मजबूत होता दिखाई दे रहा है। यह आंदोलन सफल होता है या नहीं, यह तो भविष्य के गर्भ में है लेकिन अनजाने में इस सरकार ने भारत को साम्प्रदायिक एकता का बहुत बड़ा उपहार दे दिया है, जिसके लिए शायद ये शक्तियां पछता रही होंगी। कौमी और धार्मिक संकीर्णता की जगह सामाजिक सौहार्द्र व औदार्य का अद्भुत और अनुपम नजारा परिलक्षित हो रहा है जो इस बात का आश्वासन देता है कि देश के सामाजिक समन्वय का आधार अब भी मजबूत बना हुआ है। इन आंदोलनों में सतही और खोखली विचारधाराएं नष्ट हो रही हैं तथा सामाजिक सरोकारों से गहरी जुड़ी हुई सैद्धांतिक व व्यवहारिक प्रणालियां नये सिरे से अपनी जड़ों को हरा कर रही हैं। आशावाद की नयी बयार इन शाहीन बागों से निकलकर देश भर में फैल रही है जो इस चमन को हरा–भरा बनाए रखने में मददगार साबित होगी। वे विचारधाराएं ही आंदोलनों की इस अग्निपरीक्षा में सफल होंगी जिनके मूल में सामाजिक समानता, समन्वयवादी संस्कार, समरसता, समग्र मानव मुक्ति और अंत्योदय के उत्थान की चाहत होगी। कहना न होगा कि इन सभी के मूल में गांधीवाद की अंतःसलिला है। कह सकते हैं कि यह नई विचारधारा गांधी से निकलकर गांधी में समाहित होती नजर आ रही है।

# क्षेत्र की सड़कों का बुरा हाल, गड्ढे में तब्दील हुई सड़कें

धम्मौर,सुल्तानपुर। क्षेत्र में लोकनिर्माण विभाग के प्रांतीय खण्ड की बनाई गयी दो सड़के पूरी तरह से उखड़कर गड्ढे में तब्दील हो गयी हैं । जिनके कारण जगह–जगह जलभराव व कीचड़ बना रहता है, जिसके चलते राहगीरों का पैदल चलना मुश्किलों भरा है । जबकि एक सड़क को 15 दिन पूर्व लेपन कर गड्ढा मुक्त किया गया था उस पर किया गया लेपन 15 दिन में ही उखड़ने लगा है स्थित यह हैं कि सड़क पर डाली गई छोटी गिट्टियां झाड़ू से एक जगह बटोरी जा सकती है ।सुल्तानपुर–रायबरेली राष्ट्रीय राजमार्ग पर कस्बा धम्मौर से एक सड़क नूरपुर मामपुर गाव को जोड़ती हैं जिसको विगत कई वर्ष पहले गड्ढा मुक्त किया गया था तब से आज तक इस सड़क पर कोई भी काम नही हुआ जिससे यह सड़क पूरी तरह उखड़कर गड्ढे में तब्दील हो गई हैं । वही दूसरी ओर इसी कस्बे से मनभौना गांव को एक सड़क धम्मौर बाजार से होकर निकलती यह भी विगत कई वर्षों से उखड़ी पड़ी है इस पर भी हर समय कीचड़ व जलभराव बना रहता है। जबकि धम्मौर कस्बे से एक सड़क अलीगंज बाजार को निकलती हैं जो 15 दिन पूर्व गड्ढामुक्त कर काली की गयी थी जो 15 दिन में ही फिर से उखड़ने लगी हैं, खराब हुई इन सड़कों की शिकायत स्थानीय लोगों ने लोकनिर्माण के मंत्री व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से की थी जिस पर उन्होंने प्रमुख सचिव लोनिवि को लिखा था, तब पर भी इस सड़क पर कोई कार्य शुरू नही हुआ हैं। इस सम्बंध ा में संबंधित प्रांतीय खण्ड के अधिशाषी अभियंता व जेई से जब बात की गई तो उनका कहना था कि उक्त सड़को की खराबी की सूचना उनके संज्ञान में हैं जिस पर कार्य शुरू कराया जाएगा । यह बात हुए दस दिन बीतने को हैं लेकिन अभी तक इस दिशा में कोई कार्य शुरू नही हो सका हैं ।

## एसडीएम से शिकायत के बाद भी ग्राम समाज भूमि पर भूमाफिया कर रहे कब्जा

जयसिंहपुर,सुल्तानपुर। सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे में तहसील कर्मियों की कहीं मिली भगत से नही। तहसील दिवस मात्र शोपीस बन कर रह गया है। तहसील क्षेत्र के सुमेरपुर गांव में ग्रामसमाज की जमीन पर राम प्रकाश,राममेर,हनुमान,मोहित,सुग्रीव जबरन तीन शेड व छप्पर रख कब्जा कर रहे हैं। एसडीएम से ग्रामीणों ने शिकायत की है, फिर भी कब्जा नही रुक सका हैं। इसके एक दिन पहले आयोजित तहसील दिवस में भी लिखित शिकायत प्रधान रबि प्रताप सिंह समेत दर्जनों ग्रामीणों ने मिलकर किया हैं।इस कब्जे में राजस्व कर्मियों व स्थानीय पुलिस की भूमिका दिख रही हैं, यही वजह हैं भूमाफिया के हौसले बुलंद हैं।

# हज सेवक की तैनाती हेतु इच्छुक सरकारी कर्मचारियों से आवेदन 25 फरवरी तक लिये जायेंगे

सुलतानपुर। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आर0बी0 सिंह ने बताया कि हज–2020 (हि0) 1441 में हज यात्रियों को यात्रा के दौरान सऊदी अरब में मार्गदर्शनार्थ एवं सहयोग हेतु प्रदेश से खादिमुल हुज्जात (हज सेवक) के रूप में सरकारी कर्मचारियों को हज के दौरान डियूटी पर तैनात किया जाता है। हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई द्वारा जारी सर्कुलर सं0–08 के अनुसार ऐसे इच्छुक सरकारी कर्मचारियों से आवेदन 23 जनवरी से 22 फरवरी 2020 तक मांगे गये है, जिनकी आयु 31 मई 2020 को 25 से 58 वर्ष से अधिक न हो, इच्छुक कर्मचारी हज कमेटी आफ इण्डिया, मुम्बई की वेबसाइट www.hajcommitee.gov.in माध्यम से आवेदन कर हार्ड कॉपी उ0प्र0 राज्य हज समिति के कार्यालय–10 ए, विधान सभा मार्ग लखनऊ–226001 को अन्तिम तिथि तक उपलब्ध करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि गतवर्ष की भांति इस वर्ष भी महिला आवेदकों हेतु 02 प्रतिशत का कोटा आवंटित किया गया है जिसके अन्तर्गत सरकारी महिला कर्मचारी भी आवेदन कर सकती है आवेदन से सम्बन्धित अधिक जानकारी हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई की वेबसाइट पर उपलब्ध सर्कुलर सं0–08 का अवलोकन किया जा सकता है।

# सीटी स्कैन करते टेक्नीशियन को हार्ट अटैक, हालत गंभीर,रेफर

गोण्डा। जिले में बाबू ईश्वर शरण जिला अस्पताल में एक सीटी स्कैन टैक्नीशियन कर्मचारी को हार्ट अटैक पड़ने से हड़कंप गया। घटना को देख वहां मौजूद कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई। लोग आनन–फानन में उसे उठाकर इमरजेंसी में लेकर आए। जहां डाक्टरों की टीम ने जांच कर उन्हें गंभीर हालत में इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया। जहां हालत में सुधार न होते देख लखनऊ के लिए रेफर किया गया। शुक्रवार को जिला अस्पताल में सीटी स्कैन टैक्नीशियन के पद पर तैनात अनिल कुमार श्रीवास्तव रोज की तरह मरीजों का सीटी स्कैन कर रहे थे। तभी अचानक उन्हें तेज दर्द महसूस हुआ और गश खाकर जमीन पर गिर गए। टैक्नीशियन के इस तरह जमीन पर गिरते देख वहां मौजूद अन्य कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। लोग आनन–फानन में उन्हें उठाकर इमरजेंसी कक्ष में लेकर आए। जहां अस्पताल में मौजूद सभी डाक्टरों ने उनका तत्काल इलाज शुरू किया। लेकिन हालत में कोई सुधार होता न देख उन्हें लखनऊ के लिए रेफर किया गया है। घटना की खबर लगते ही मौके पर प्रमुख अधीक्षक डा. अरुण लाल भी पहुंचे।

## सड़क हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत

गोण्डा। रिश्तेदारी से घर लौटते समय अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

## 500 छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए किया जागरूक

गोण्डा। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर शुक्रवार को स्थानीय सेन्ट जेवियर्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 500 छात्राओं को आत्मरक्षा की कलाओं का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें उन्हें होने वाली घटनाओं के प्रति जागरूक रहने की सीख दी गई। साथ ही साथ पंच, डिफेंस, किक के साथ–साथ अप्रिय घटनाओं के बचाव हेतु आवाज निकालना, दूसरों से मदद मांगने की कला के साथ–साथ फिजिकल फिटनेस की ट्रेनिंग दी गई। जिससे वह अपनी आत्मरक्षा कर सकें। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी राष्ट्रीय रेफरी प्रत्यूष राज व गौरव उपाध्याय ने बालिकाओं द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए। जिससे उनमें आत्मरक्षा के प्रति और जागरूकता बढ़ी। विद्यालय की प्रधानाचार्य स्मृति सिंह ने आज के युग में बालिकाओं को जागरूक रहने के साथ–साथ आत्मनिर्भर बनने की अपील की।

# उत्तर प्रदेश दिवस कलेक्ट्रेट में धूम-धाम व हर्षोउल्लास व भव्य तरीके से मनाया गया

रायबरेली। जनपद के कलेक्ट्रेट में उत्तर प्रदेश दिवस हर्षाउल्लास व भव्य तरीके से मनाया गया। यूपी दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे सलोन विधायक दल बहादुर कोरी व जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना ने कहा कि सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ जनता तक पहुंचे तथा अधिकारियों से कहा कि वे सरकार की महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार कर उसका लाभ समाज के अंतिम छोर पर बैठे गरीब को मिले। उन्होंने दीप प्रज्जवलित कर यूपी दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ भी किया। जिलाधिकारी व विधायक मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया। जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना ने कहा कि प्रदेश,जनपद के जिन सपूतों का देश के आजादी में योगदान रहा है प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर एवं विविधता व जनपद के महत्वपूर्ण कार्य, उपलब्धियां, सरकार के संकल्प आदि पर विशेष फोकस डाला जाये। यूपी दिवस पर आमजन व नई पीढ़ी को देश व प्रदेश सरकार द्वारा कराये गये चौमुखी विकास कार्यो संकल्पों के बारे में बताया जाये। संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव रामजी अम्बेडकर, भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, भारत रत्न भगवानदास, लाल बहादुर शास्त्री, मंगल पाण्डेय, भगत सिंह, राजगुरू सुखदेव, चन्द्रशेखर आजाद, ऊदा देवी, झलकारी बाई, रफी अहमद किदवई, दुर्गा भाभी आदि महापुरूषों स्वतन्त्रा संग्राम सेनानियों को सम्मान देकर उनके प्रति कृत्यगता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि देश में मोदी व प्रदेश में योगी सरकार की प्राथमिकता देश व प्रदेशों में सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के साथ देश व प्रदेश को उन्नति के शिखर पर पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि जो सरकार की जो नीतियां है उन्हें अधिकारी समाज के अंतिम छोर में बैठे व्यक्ति तक उसका लाभ पहुंचे तभी सरकार द्वारा संचालित योजना का लाभ होगा। योजनाओं के लाभांवित करने में पात्र व्यक्ति को ही मिले। गरीब की झोपडी में विकास की किरण दिखायी पडेगी और उसे रोजी रोटी और कपडा और मकान की कमी नही होगी तो समाज व राष्ट्र का विकास होना निश्चित है। विधायक दल बहादुर कोरी व मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार ने कहा कि प्रदेश का नाम करण उत्तर प्रदेश 24 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ है। सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश दिवस 24 जनवरी को भव्य तरीके से जनपद में भी मनाये जाने के निर्देश दिये गये है। उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश के साथ ही जनता का इतिहास गौरवशाली रहा है यहां की संस्कृति यहां का गौरवशाली इतिहास स्वतन्त्रता संग्राम के समय में ही इतिहास में वर्णित है। वर्तमान सरकार की नीति सबका साथ सका विकास सबका विश्वास के सिद्धान्त पर आधारित है तथा प्रदेश सरकार गरीबों और वंचितों को न्याय दिलाने हेतु कृत संकल्पित है। केन्द्र व प्रदेश सरकार की कल्याणकारी व लाभ परक योजनाओं की विस्तार से जानकारी देने के साथ ही यूपी दिवस के भी महत्व को बताया। मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार ने उत्तर प्रदेश दिवस 24 जनवरी के अवसर पर वर्तमान सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को प्रगति के पथ पर अग्रसर किये जाने हेतु लिए गये संकल्प एवं उसे पूर्ण किये जाने की जानकारी विस्तार से देते हुए बताया कि आस्था को नमन, जनसमस्या निस्तारण, कानून व्यवस्था, उत्तर प्रदेश इन्वेस्टर्स समिट, जीएसटी, किसानों के हितार्थ ऐतिहासिक फैसले, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, ग्रामीण विकास योजना, पेयजल, स्वच्छ भारत मिशन, पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी समारोह का आयोजन, किसान फसली ऋण मोचन योजना, सरकार की महत्वाकांक्षी योजना आदि के बारे में जानकारी दी। मुख्य विकास अधिकारी व विधायक द्वारा बेटी बचाव बेटी पढाओ के सुगम 151 कार्यकत्रियों व मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजनान्तर्गत प्रोबेशन विभाग की 3 महिला कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यूपी दिवस पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग से आये हुए कलाकारों द्वारा कठपुतली, अजय जादूगर, रंजना, अवधेश द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों लोकगीत आदि के माध्यम से लोक कलाकारों द्वारा कला के माध्यम से सरकार की उपलब्धियों योजनाओं का बेहतर प्रदर्शन किया गया जिसकी लोगों ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना, विधायक दल बहादुर कोरी, मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोक किया गया। मत्स्य विभाग द्वारा नीलीकान्ति योजनान्तर्गत मोटरसाईकिल विद् आईबक्स की चाबी देकर उनको रवाना किया गया। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग लखनऊ से आयी एलईडी वैन के माध्यम से राजधानी में हुए उत्तर प्रदेश दिवस समारोह का सीधा प्रसारण के साथ ही उत्तर प्रदेश व केन्द्र सरकार की लाभपरक योजनाओं व कल्याणकारी कार्यक्रमों का भी प्रदर्शन किया। इसके अलावा दूसरी एलईडी वैन के माध्यम से गंगा यात्रा की जानकारी विस्तार से बताई गई। यूपी दिवस पर जिला सूचना कार्यालय के बड़े लाल यादव प्रचार सहायक, मो0 राशिद कम्प्यूटर आपरेटर, लेखाकार इफ्तिखार अहमद खां द्वारा सीएए पम्पपलेट, उत्तर प्रदेश संदेश, विकास एवं सुशासन के 30 माह की पुस्तक, नववर्ष कलण्डर, पंचाग का कार्यक्रम में उपस्थित जनपद स्तरीय अधिकारियों, प्रदर्शनी स्टालों व आमजनमानस में वितरित किया गया। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 संजय कुमार शर्मा, डीपीआरओ, डीसी मनरेगा पवन कुमार, सहायक निदेशक सूचना प्रमोद कुमार, डीआईओएस चन्द्रशेखर मालवीय, संचालक एस0एस0 पाण्डेय, परियोजना निर्देशक प्रेमचन्द्र पटेल, उद्योग अधिकारी नेहा सिंह, खादी आधिकारी अवधेश सिंह, योग गुरू डा0 रवि सिंह, समाजसेवी ज्ञान प्रकाश तिवारी, जीसी सिंह, स्नेहलता त्रिवेदी, पूनम तिवारी, सारिका शुक्ला, पी0एन0 शर्मा, आदि अधिकारी व जनप्रतिनिधि, बड़ी संख्या में आमजन व छात्र–छात्रायें आदि उपस्थित थे। यूपी दिवस कार्यक्रम का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा बखूबी से किया गया। वही स्थानीय छात्र–छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया।

## तीन दिवसीय स्काउट–गाइड शिविर का समापन

रायबरेली। क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुबना में तीन दिवसीय स्काउट–गाइड शिविर का समापन समारोह आयोजित किया गया। कैंप के अंतिम दिन दीक्षा संस्कार व टेंट पिचिंग करायी। मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार व सतांव के खंड शिक्षा अधिकारी लालमणि राम कनौजिया ने कि कहा कि स्काउटिंग बच्चों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है स्काउटिंग के माध्यम से सामाजिक सहयोग व सहिष्णुता की भावना भी विकसित होती है।

# आखिर क्यों मैच से एक दिन पहले कप्तानी छोड़ना चाहते हैं केन विलियमसन?

आकलैंड। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में शर्मनाक हार के बाद आलोचना झेल रहे केन विलियमसन ने गुरूवार को संकेत दिया कि टीम के हित में होने पर वह न्यूजीलैंड की कप्तानी छोड़ने को तैयार हैं। यह पूछने पर कि क्या वह अभी भी तीनों प्रारूपों में कप्तानी करना चाहते हैं, विलियमसन

ने कहा कि मेरा हमेशा से यह सोचना रहा है कि टीम के लिये सर्वश्रेष्ठ क्या है। यदि ऐसा लगता है कि टीम के लिये यही अच्छा है तो मैं इसके लिये तैयार हूं।'' उन्होंने कहा कि टीम को सही दिशा में ले जाने वाली हर बात के लिये मैं तैयार हूं। यह कोई निजी बात नहीं, टीम की बात है।''

विलियमसन ने कहा कि पिछली नाकामियों को भुलाकर अब उनकी टीम को भारत के खिलाफ श्रृंखला पर ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि आपको आगे बढते रहना होगा। शेड्यूल ऐसा है कि चुनौतियां काफी तेजी से और बड़ी होती है। हमारे सामने भारत जैसी टीम है जो दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है लेकिन टी20 में अलग है। हम इस चुनौती के लिये तैयार हैं। कीवी कप्तान ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ खेलना सबक जैसा है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के बाद थोड़ा ब्रेक मिला जो अच्छा है । आप कभी अपने प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं होते और इस तरह की हार के बाद और अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है।

न्यूजीलैंड को पिछले साल भारत ने वनडे श्रृंखला में हराया लेकिन उसके बाद उन्होंने टी20 श्रृंखला जीती। भारतीय टीम घरेलू सत्र में लगातार अपराजेय रही है और यहां भी जीत के इरादे से उतरेगी।

उन्होंने कहा कि छोटे मोटे सुधार की बात है। कई बार अच्छे या बुरे दिन आते हैं जिनके बाद वापसी करना अहम होता है। हम इससे सबक लेकर बेहतर खेल दिखायेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम विश्व स्तरीय है और आईपीएल से उसे काफी अच्छे क्रिकेटर मिले हैं जो दुनिया की सबसे बड़ी फ्रेंचाइजी क्रिकेट स्पर्धाओं में से एक है। इसकी वजह से भारत के पास इतने सारे विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं।

# अमृता सिंह के साथ हुए तलाक को लेकर सालों बाद छलका सैफ का दर्द, किया ये खुलासा

सैफ अली खान और अमृता सिंह ने 16 साल पहले तलाक ले लिया था। दोनों 1991 में विवाह बंधन में बंधे थे और साल 2004 में तलाक ले लिया। दोनों के दो बच्चे सारा अली खान और इब्राहिम खान है। अमृता और सैफ के बीच दूरियां हैं लेकिन दोनों बच्चों के साथ सैफ का रिश्ता बेहद खास है। कई मौकों पर दोनों पिता के साथ नजर आते हैं। हाल ही में पिंकविला को दिये एक इंटरव्यू में सैफ ने अपने और अमृता के तलाक को लेकर खुलकर बात की। इस इंटरव्यू के दौरान सैफ काफी भावुक नजर आये। उन्होंने कहा कि यह दुनिया की सबसे बुरी बात है।सैफ ने कहा, यह कुछ ऐसा है, जिसे लेकर मैं सोचता हूं कि, जो है वो उससे अलग होता। मुझे नहीं लगता कि मैं इस चीज को लेकर कभी ठीक हो पाऊंगा। कुछ चीजें ऐसी है जो इस मामले में मुझे कभी भी शांति नहीं देगी। एक्टर ने कहा, मैं उस समय सिर्फ 20 साल का था। आज चीजें काफी बदल गई हैं। आप चाहते हैं कि माता–पिता दोनों साथ रहें, लेकिन दोनों अलग–अलग इकाई है। इसलिए आजकल हरकोई मॉडर्न रिलेशनशिप से सहमत हो सकता है। जब सैफ से पूछा गया कि इन चीजों का सारा और इब्राहिम पर क्या असर पड़ा ? इसका जवाब देते हुए सैफ ने कहा,– कभी भी किसी भी बच्चे को उसके घर–परिवार से सहजता से अलग नहीं किया जा सकता। इससे बच्चों पर काफी बुरा असर पड़ता है। कई बार परिस्थितियां अलग होती हैं। कई बार पेरेंट्स साथ नहीं होते तो कई बार बहुत शिकायतें होती हैं। ऐसे में एक बच्चों को बेहतर वातावरण मिलना बहुत जरूरी है। सैफ ने इससे पहले एक इंटरव्यू में कहा था कि, 20 साल में

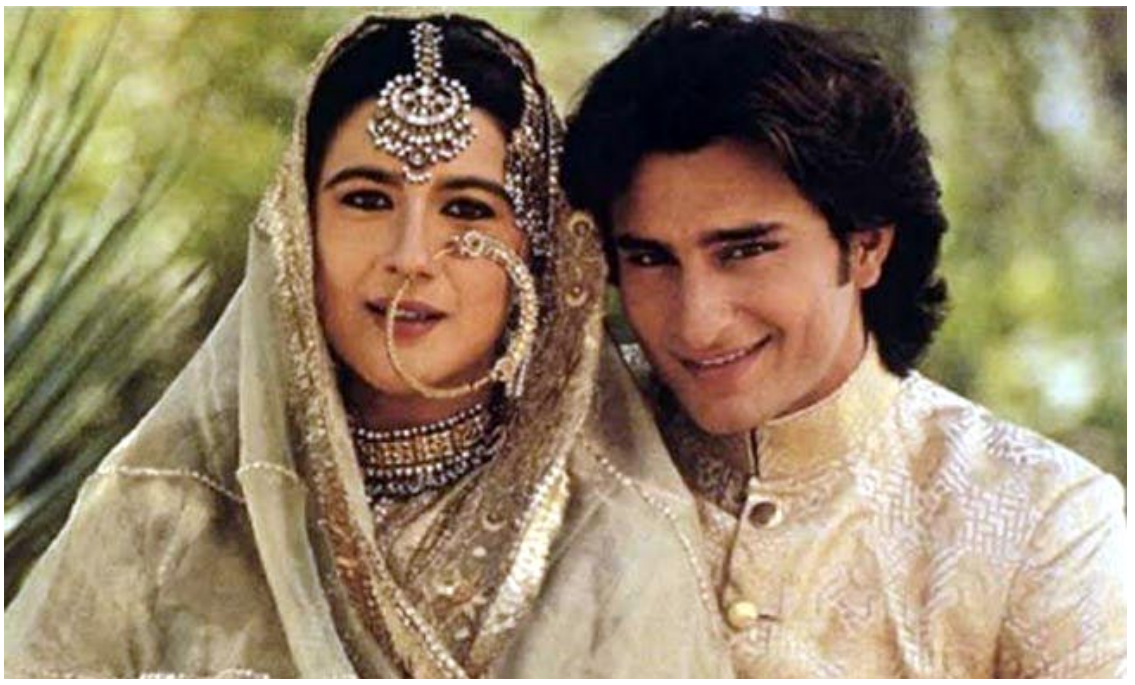

मैंने शादी कर ली थी। मैं अमृता को इस बात का श्रेय देना चाहूंगा कि जिन्होंने मुझे परिवार, काम और बिजनेस को संजीदगी से लेना सिखाया। बता दें कि, अमृता से तलाक के बाद सैफ ने करीना कपूर से शादी कर ली थी। दोनों का एक बेटा तैमूर है। खास बात यह है कि करीना और सारा के बीच एक खास बॉन्डिग देखने को मिलती है।

## शबाना आजमी सड़क दुर्घटना में जरूरत पड़ी तो दोबारा ड्राईवर से पुलिस करेगी पूछताछ

दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी के एक सड़क दुर्घटना में घायल होने के मामले में पुलिस ने कहा है कि वह समय पर आरोप पत्र दायर करेगी और अगर जरूरत पड़ी तो अभिनेत्री के चालक से दोबारा पूछताछ की जाएगी। मुंबई–पुणे एक्सप्रेस वे पर शनिवार को पिछले सप्ताह 69 वर्षीया आजमी की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। शबाना आजमी चालक कमलेश कामत पर तेजी और लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है।

दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र में संबंधित पुलिस ने ड्राईवर का बयान पहले ही दर्ज कर लिया है। खालापुर पुलिस थाने के प्रभारी विश्वजीत कैनगड़ ने बताया, ''दुर्घटना के एक दिन बाद हमने अभिनेत्री के चालक कमलेश कामत का बयान दर्ज कर लिया लेकिन उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है। अगर जरूरत पड़ी तो चालक को फिर से पुलिस थाने बुलाया जाएगा। वरिष्ठ अभिनेत्री का इस समय उपगर अंधेरी में कोकीलाबेन अंबानी अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनके परिवार के सदस्यों का कहना है कि उनकी हालत स्थिर है तथा अगले दो तीन दिन के लिए उन्हें निगरानी में रखा जाएगा।

## बच्चों का फ्यूचर ब्राइट बनाएगी कमरे की रोशनी!

पुरातन समय से चला आ रहा वास्तु एक तरह का घर सजाने का तरीका है। वास्तु के अनुसार घर सजाते वक्त कुछ खास नियमों और दिशाओं का ध्यान रखा जाता है। ये नियम आप और आपके परिवार के लिए शुभ माने जाते हैं। आज हम यहां बात करेंगे वास्तु के अनुसार घर में बच्चों का कमरा किस तरीके से बनना चाहिए...

कमरे की सही दिशा

बच्चों का कमरा पूर्व, उत्तर या उत्तर–पूर्व दिशा में होना चाहिए। इस दिशा में कमरा होने से बच्चों का कुछ नया सीखने की पॉवर बढ़ेगी। वे जल्द से जल्द चीजों को समझेंगे जिससे आपको उनकी पढ़ाई–लिखाई में बेहतरीन रिजल्ट देखने को मिलेंगी।

कमरे की रोशनी

बच्चों के कमरे में लाइट्स हमेशा ब्राइट रखें। डल लाइट होने से उन्हें पढ़ने लिखने में परेशानी होगी, साथ ही उनके दिमाग पर दबाव पड़ेगा, जिससे वह अक्सर सिर दर्द या फिर आंखों के भारीपन से परेशान रहेंगे। रात के वक्त बच्चों को डर न लगे, इसके लिए हल्की सी लाउट कमरे में जरुर लगाएं, ताकि उन्हें रात के वक्त अंधेरे में डर न लगे।

एकाग्रता के लिए

बच्चा तभी कुछ अच्छे से सीख पाएगा जब उसका ब्यदबमदजतंजपवद लेवल अच्छा होगा। ऐसे में बच्चों का माइंड शार्प रहे इसके लिए कमरे में तीखे फर्नीचर, शेल्वस और अन्य सजावटी चीजों का इस्तेमाल न करें।

साफ–सफाई

बच्चों को अपना कमरा साफ रखना सिखाएं। साफ–सुथरे कमरे में ही पॉजिटिव एनर्जी काम करती है। कोशिश करें हर 15 दिनों बाद बच्चों की बेडशीट बदलें।

स्टडी लैंप

स्टडी लैंप बच्चों की एकाग्रता और हर वक्त कुछ नया सीखने के लिए उन्हें प्रेरित करती है। साथ ही बच्चे के माइंड में नए–नए आइडियाज आते हैं।

सजावट का सामान

पॉजिटिव पेंटिग्स और सजावट का सामान बच्चों के लिए काफी लकी साबित होते हैं। चढ़ते सूरज की पेंटिंग बच्चों के कमरे में लगाने से वे हमेशा सकारात्मक सोच के साथ भरे रहते हैं। बच्चों के कमरे में कभी भी गहरे रंग की या फिर कोई भी ऐसी पेंटिंग न लगाएं जिसका नेगेटिव असर उन पर पड़े।

दीवारें भी रखती हैं महत्व

बच्चों के कमरे के लिए हरा रंग बहुत फायदेमंद साबित होता है। यह बच्चों का दिमाग शांत रखता है जिससे उनका दिमाग सब कुछ अच्छे से सीख पाता है। जिन बच्चों को ज्यादा गुस्सा आता है उनके कमरे में नीले रंग का इस्तेमाल करें। यह उनके स्वभाव को शांत रखने में मदद करेगा।

ताजगी

बच्चों की हेल्थ और फ्रेश माइंड के लिए ताजी हवा बहुत जरुरी है, जो उन्हें हर वक्त एक्टिव रखने में मददगार है।

इलेक्ट्रोनिक्स

लैपटॉप या फिर कंप्यूटर के अलावा बच्चों के कमरे में किसी भी तरह का इलेक्ट्रोनिक रखने से बचें। कमरे में जितने ज्यादा इलेक्ट्रोनिक्स होंगे बच्चों के माइंड पर उनका उतना ही नेगेटिव प्रभाव डलेगा।

कुर्सी

वास्तु के अनुसार ऊंची पीठ वाली कुर्सी बच्चों के भविष्य को भी ऊंचाई पर ले जाती है। ऐसे में कोशिश करें बच्चों के कमरे में ऊंची पीठ वाली कुर्सी रखें। कुर्सी अगर लकड़ी से बनी हो तो और बेहतर है।

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक कपिल देव शुक्ला द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं0:25 लोलेपुर सुलतानपुर उ0प्र0. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट,पो0 व थाना कूरेभार, जिला-सुलतानपुर (उ0प्र0) से प्रकाशित सम्पादक : **कपिल देव शुक्ला**, मो0 9415739288, 9721748962 सह संपादक : **अंकित ''राधे''**
E-mail: kdshukla.79@gmail.com, वेबसाईट : www.kdnewslive.in समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।